Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to obtain consent of customers before conversion of Jan-Dhan bank accounts into saving account.

-

श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया (भीलवाड़ा)ः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एन.डी.ए. सरकार ने जन-धन योजना के माध्यम से करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा। जन-धन योजना में बैंकों में खाते जीरो बैंलेंस में खोले गये। इन खातों को खुलवाने वाले अधिकतम गरीब, किसान, कामकाजी महिलाएँ थी। आज बैंक इन जन-धन खातों जिनमें 10,000 रू. से ज्यादा जमा है उनको बचत खातों में परिवर्तन करने का दबाव डाल रही है। कुछ बैंक तो स्वयं ही अपने जन-धन खातों को बचत खातों में परिवर्तित कर रहे हैं। बचत खातों में न्यूनतम 3000 रू. से 5000 रू. तक के बैलेंस की मांग बैंक रखते हैं। इससे गरीब, किसान एवं कामकाजी महिलाएँ जिनके जन-धन खाते हैं, उनको दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

मेरा आग्रह है कि समस्त बैंकों को निर्देश दिया जाये कि वह बचत खातों में जन-धन खाते को बिना खाताधारक की सहमति के परिवर्तित नहीं करें।